जीविका
ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार

जीविका समाचार पत्रिका

।। माह – जून 2024 ।। अंक – 47 ।। केवल आंतरिक वितरण हेतु।।

अन्दर के पृष्ठों में...

नवादा की गुड़िया देवी के गेंदा फूलों की खुशबू पटना से हजारीबाग तक फैली (पृष्ठ – 02)

उद्यमिता से मिला पिंकी को आगे बढ़ने का रास्ता (पृष्ठ – 03)

सीमांत किसानों के लिए लाभकारी बनी सिंहेश्वर जीविका महिला किसान प्रोडयूसर कंपनी, मधेपुरा (पृष्ठ – 04)

संचार गतिविधियों से जीविका दीदियाँ बनी जागरूक एवं सशक्त

जीविका, बिहार के ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाली गरीब महिलाओं के साथ काम करती है, जो आमतौर पर कम पढ़ी–लिखी हैं। लेकिन जीविका ने सामुदायिक संगठन स्तर पर नियमित संवाद तथा संचार संबंधी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से उन्हें निरंतर जागरूक किया जा रहा है एवं सशक्त बनाया है। परिणामस्वरूप ग्रामीण स्तर की ये महिलाएँ अब सामाजिक एवं आर्थिक विषयों के बारे में जागरूक एवं स्वावलंबी बनकर उभरी हैं। जीविका के अन्तर्गत संचार संबंधी विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। इसकी विवरणी निम्नलिखित है–

- **सामुदायिक संगठन स्तर पर निरंतर संवाद** – संवाद संचार की एक प्रमुख विधा है। इसमें सूचनाओं का आदान–प्रदान किया जाता है। इससे दीदियों की जानकारियों का स्तर बढ़ता है एवं उनकी सम्प्रेषण क्षमता भी बढ़ती है। यही कारण है कि जीविका के सभी सामुदायिक संगठनों की नियमित बैठकों में सदस्यों के बीच आपसी संवाद स्थापित किये जाते हैं। इसमें जीविका दीदियों को विभिन्न विषयों पर के बारे में जानकारियाँ दी जाती हैं एवं उन्हें भी अपनी बातें रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।
- **प्रशिक्षण एवं कार्यशाला** – जीविका द्वारा सामाजिक, आर्थिक, स्वास्थ्य एवं विभिन्न विषयों से संबंधित प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन कर दीदियों को प्रशिक्षित किया जाता है। इससे उनमें विभिन्न विषयों के बारे में जानकारी एवं जागरूकता का स्तर बढ़ा है।
- **वीडियो प्रसारण** – जीविका द्वारा संचार संबंधी विभिन्न गतिविधियों में से वीडियो प्रसारण एक प्रमुख गतिविधि है। इसके तहत परियोजना द्वारा सभी प्रखंडों में पिको प्रोजेक्टर उपलब्ध कराए गए हैं। इसके माध्यम से समुदाय के बीच वीडियो फिल्मों को प्रसारण किया जाता है। प्रशिक्षित सामुदायिक पेशेवरों द्वारा विभिन्न विषयों पर तैयार सामुदायिक फिल्मों का ग्राम संगठन स्तर पर प्रदर्शित किया जाता है। इससे जीविका दीदियों को किसी भी विषय के बारे में जानकारियाँ मिलना आसान हुआ है एवं यह एक प्रभावी कदम साबित हो रहा है।
- **जीविका समाचार पत्रिका का प्रसार** – जीविका के द्वारा मासिक सामुदायिक समाचार पत्रिका एवं अन्य प्रकार के पत्र–पत्रिकाओं तथा जिला स्तरीय पुस्तिका का प्रकाशन किया जाता है। इसमें जीविका दीदियों की उपलब्धियों एवं उनकी सफलता की कहानियों का प्रकाशन किया जाता है। सामुदायिक समाचार पत्रिका को छपवाकर संकुल संघ स्तर पर उपलब्ध कराया जाता है। साथ ही इसे जीविका दीदियों के बीच पढ़कर सुनाया जाता है। इससे जीविका दीदियों को प्रेरणास्पद कहानियों के माध्यम से जीवन में आगे बढ़ने तथा कुछ नया करने की प्रेरणा मिलती है।
- **सोशल मीडिया** – जीविका द्वारा सूचनाओं के आदान–प्रदान हेतु सोशल मीडिया का उपयोग किया जा रहा है। इसके लिए जीविका का राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय फेसबुक, इंस्टाग्राम तथा ट्वीटर पेज विकसित किए गए हैं। इसके माध्यम से रोजाना जीविका दीदियों द्वारा संचालित की जा रही प्रमुख गतिविधियों एवं उपलब्धियों के बारे में सूचना प्रदान की जा रही है।
- **जागरूकता अभियान** – बिहार के ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाली महिलाओं को सामाजिक तौर पर सशक्त बनाने के लिए समय–समय पर विभिन्न सामाजिक मुद्दों एवं विषयों पर जागरूकता अभियानों का संचालन किया जाता है। इससे उनमें जागरूकता का स्तर बढ़ रहा है और जीविका दीदियों की विभिन्न सामाजिक मुद्दों के निराकरण में सक्रिय भागीदारी रहती है।
- विभिन्न समाचार पत्र–पत्रिकाओं, रेडियो तथा टेलीवीजन के माध्यम से जीविका संबंधी क्रियाकलापों को प्रकाशित/प्रसारित किया जाता है। जिससे विभिन्न सदस्यों एवं सामुदायिक संगठनों की गतिविधियों एवं उपलब्धियों के बारे में अन्य लोगों को जानकारी मिल पाती है।

प्रभाव – जीविका द्वारा संचार संबंधी विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का संचालन किये जाने से जीविका दीदियों के बीच जागरूकता का स्तर बढ़ा है। उनका ज्ञानार्जन हुआ है। उन्हें नित नई जानकारियों एवं तकनीकों की जानकारी मिल रही है। जीविका दीदियाँ अब किसी भी मंच पर अपनी बात रखने में सक्षम हुई हैं। पूरे बिहार में तमाम कार्यक्रमों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने के साथ ही राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न कार्यक्रमों में आत्मविश्वास के साथ वे अपनी बात रखने में कामयाब हुई हैं।

जीविका स्वयं सहायता समूह के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक एवं स्वास्थ्य,पोषण तथा स्वच्छता आदि विषयों के बारे में निरंतर जागरूक एवं शिक्षित किया जा रहा है। इन प्रयासों का ही परिणाम है कि आज बड़ी संख्या में महिलाएँ सामाजिक रूप से सशक्त एवं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं।

नवादा की गुड़िया देवी के गेंदा फूलों की खुशबू पटना से हजारीबाग तक फैली

नवादा जिला के अकबरपुर प्रखंड अंतर्गत बलिया बुजुर्ग पंचायत के अकबरपुर ग्राम में निवास करने वाली गुड़िया देवी का परिवार फूल का कारोबार कई सालों से करते आ रहे हैं। फूलों की खेती एवं उसकी बिक्री ही उनके परिवार के जीविकोपार्जन मुख्य साधन है। जब उनके गाँव में जीविका परियोजना के द्वारा समूहों का गठन किया जा रहा था, तब अपनी क्षमता एवं जीविकोपार्जन गतिबिधि के विस्तार हेतु समूह से मदद मिलने की उम्मीद से गुड़िया देवी 28 जनवरी 2017 को आकाश जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ गयी थी। उनके परिवार के पास अपना खेत मात्र 5 कट्ठा है। इसके अलावा 5 कट्ठा जमीन बटाई पर लेकर गुड़िया देवी फूल की खेती करती थी।

वर्ष 2021 में खेती करने के लिए उनके पास खेत में फूल के पौधे लगाने हेतु पर्याप्त राशि नहीं थी। तब उन्होंने अपने समूह से 12,000 रुपये ऋण लेकर इस समस्या का हल किया। समूह से ऋण मिलने के उपरांत उनके पति कोलकात्ता जाकर 10,000 रुपये में गेंदा फूल के पौधे खरीदकर लाए, जिसे 15 कट्ठा खेत में लगाया गया। कुछ माह बाद खेती हेतु आवश्यकता पड़ने पर उन्होंने पुनः समूह से ऋण लेकर जरुरतों का पूरा किया। पौधे लगाने के बाद लगभग दो से ढ़ाई माह में फूल निकलना शुरु हो गया। उनके द्वारा उत्पादित फूल स्थानीय बाजार, नवादा, पटना, कोडरमा, हजारीबाग एवं बरही आदि में बिकता है। एक कुड़ी फूल 300 – 500 रुपये के बीच बिकता है। फूलों की सबसे अधिक माँग दीपावली के दौरान रहती है। इसके अलावा अन्य पर्व एवं विवाह के मौके पर फूलों की अधिक माँग रहती है।

अब वह गेंदा फूल की खेती साल में दो बार करती हैं। वह मार्च माह में 10 कट्ठा तथा जुलाई माह में 30 कट्ठा खेत में गेंदा फूल के पौधे लगाती हैं। गेंदा फूल की खेती से गुड़िया देवी सालाना 1,00,000–1,25,000 रुपये मुनाफा कमा लेती हैं।

रेखा कुमारी: आत्मनिर्भरता की ओर कदम

रेखा कुमारी का जन्म वर्ष 1991 में ससना कुदरा में हुआ था। 20 साल की आयु में वर्ष 2011 में उनका विवाह कैमूर जिला अंतर्गत दुर्गावती प्रखंड के रहने वाले श्री कमलेश कुमार से हुआ। कमलेश मैट्रिक पास हैं एवं मजदूरी कर अपने और अपने माता–पिता का भरण–पोषण करते थे। शादी के बाद चार लोगों का परिवार एवं आमदनी सीमित होने के कारण रेखा के परिवार को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा।

रेखा ने वर्ष 2014 में बेटा और वर्ष 2017 में बेटी को जन्म दिया। इसके बाद उनके परिवार की आर्थिक स्थिति और बिगड़ गई। इंटर पास रेखा को समझ नहीं आ रहा था कि वह परिवार की आमदनी कैसे बढ़ाए।

वर्ष 2019 में, रेखा को यह जानकारी मिली कि जीविका समूह से जुड़कर वे हर सप्ताह छोटी बचत कर सकती हैं और जरूरत पड़ने पर ऋण ले सकती हैं। रेखा राधिका जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ गईं और हर सप्ताह समूह की बैठक में उपस्थित होने लगीं।

समूह में नियमित जाने से रेखा के व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव आया। उन्होंने जरूरत पड़ने पर कई बार ऋण लिया और ससमय चुकाया। जनवरी 2024 में, रेखा ने समूह से 50,000 रुपये ऋण लेकर किराना दुकान शुरू की। अब दुकान में रोजाना लगभग 600–800 रुपये की बिक्री हो जाती है। किराना दुकान की आमदनी और उनके पति की मजदूरी से परिवार की स्थिति बेहतर हुई है। जीविका से जुड़ने के बाद रेखा न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने में सहयोग कर रही है, बल्कि आत्मनिर्भरता की मिसाल भी बनी है।

सूक्ष्म उद्यम अपनाकर आत्मनिर्भरता की ओर कदम

भागलपुर के कहलगाँव प्रखंड अन्तर्गत ओरियप पंचायत की रहने वाली बीबी बिलकिश ने अपनी मेहनत और लगन से एक सफल उद्यमी के रूप में अपनी पहचान बनाई है। वह चमेली जीविका स्वयं सहायता समूह की सदस्य है। उन्होंने समूह से ऋण लेकर पॉवरोटी और बेकरी तैयार करने का व्यवसाय प्रारंभ किया था। धीरे–धीरे उनका यह व्यवसाय चल पड़ा। आज वह इस व्यवसाय को आगे बढ़ा रही है। इसके लिए जीविका के सहयोग से उन्हें प्रधानमंत्री खाद्य सूक्ष्म उन्नयन योजना के तहत ऋण स्वीकृत किया गया है। अब उनका परिवार इस उद्यम से अर्जित आय से तरक्की की ओर अग्रसर है।

बीबी बिलकिश वर्ष 2020 में चमेली जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ी थी। पहले वह घर के काम–काज तक सीमित थी। लेकिन समूह में जुड़ने के बाद उन्होंने उद्यमी बनने का सपना देखा। परिणामस्वरूप उन्होंने स्वरोजगार शुरू करने का मन बनाया। इसके बाद बिलकिश ने अपने समूह से 20 हजार रुपये ऋण लेकर घर पर पॉवरोटी और बेकरी तैयार कर उसे बेचने का काम शुरू किया। शुरुआती दौर में उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। परंतु धीरे–धीरे उनका व्यवसाय चलने लगा। अब वह बेकरी उत्पादों को तैयार कर इसे बेचने का काम करने लगी है।

इनके उत्पाद की अच्छी गुणवत्ता की वजह से इनकी मांग बढ़ने लगी है। वह कहलगाँव, पीरपैंती एवं ईशीपुर बाराहाट के स्थानीय विक्रेताओं को अपने उत्पादों की बिक्री करती है। अपने व्यवसाय के विस्तार के लिए उन्होंने समूह से पुनः ऋण लेकर इसमें निवेश किया। वर्तमान समय में वह एक माह में तकरीबन ढाई से तीन लाख रुपये तक का कारोबार कर लेती है। इससे उन्हें प्रतिमाह 10 से 15 हजार रुपये तक की आय हो जाती है।

बीबी बिलकिश ने जीविका के सहयोग से प्रधानमंत्री खाद्य सूक्ष्म उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) का लाभ लेने हेतु आवेदन किया था। उनका आवेदन स्वीकृत हो गया है। ऐसे में उन्हें योजना के तहत प्रथम किस्त के रूप में 40 हजार रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है। इस राशि से वह अपने इस खाद्य प्रसंस्करण उद्यम को बड़ा स्वरूप दे रही है। वह स्थानीय बाजार के अलावा अपने घर से ही इन उत्पादों की बिक्री करने लगी है। इससे उन्हें अच्छी आमदनी हो रही हैं।

उद्यमिता से मिला पिंकी को आगे बढ़ने का रास्ता

गया जिले के नीमचक बथानी प्रखंड में नैली पंचायत स्थित गोवडीहा गांव की रहने वाली पिंकी कुमारी ने उद्यमिता की बदौलत अपनी एक अलग पहचान बनाई है। 2013 में संगम जीविका महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ी पिंकी ने अपनी मेहनत एवं जीविका के सहयोग से पेवर ब्लॉक के निर्माण के क्षेत्र में अपनी एक पहचान बनाई है। पेवर ब्लॉक का इस्तेमाल सड़क एवं बाहरी पाक्र ऐरिया की फ्लोरिंग में होता है। इस व्यवसाय की शुरुआत पिंकी कुमारी ने अपने स्वयं सहायता समूह से ऋण लेकर किया था। पेवर ब्लॉक के निर्माण एवं बिक्री से पिंकी कुमारी एवं इनके पति पिंटू कुमार को अच्छी आय प्राप्त हो रही है। इस व्यवसाय से इन्हें हर वर्ष लाखों रूपए का मुनाफा हो रहा है।

पिंकी कुमारी बताती हैं कि जीविका ने उनका जीवन बदल दिया है। यदि वे स्वयं सहायता समूह की सदस्य नहीं होती तो शयद उनसे पेवर ब्लॉक निर्माण इकाई स्थापित करना संभव नहीं होता। स्वयं सहयता समूह से जुड़े होने के कारण आसानी से ऋण मिल गया, जिससे पिंकी ने यह व्यवसाय शुरू किया। व्यवसाय से हुई आमदनी से उन्होंने एक ट्रैक्टर खरीदा और घर भी बनवाया है। आज वह कई लोगों को रोजगार भी दे रही हैं। आस–पास के क्षेत्र में हम लोग ही पेवर ब्लॉक सप्लाई करते हैं।

पिंकी कुमारी बताती हैं कि जीविका से जुड़ने से पूर्व इनकी स्थिति अच्छी नहीं थी। उनके जीवन में काफी संघर्ष था। पति को भी रोजगार का कोई रास्ता नहीं मिल रहा था। कुछ समझ नहीं आ रहा था की क्या करें। पैसे नहीं थे और कोई ऋण देने को भी तैयार नहीं था। ऐसे में जीवका स्वयं सहायता समूह से एक लाख रुपये का ऋण मिला। इसके बाद भी कई बार ऋण लेकर व्यवसाय को बढ़ाने में पति का सहयोग किया। हमारी आय को देख, आज कई बैंक ऋण देने को तैयार है। मेरे जीवन में यह बदलाव जीविका के कारण ही हो सका है। इस व्यव्यसाय से हमें अच्छी आय हो रही है। आज भी जीविका से सहयोग मिल रहा है। हम दोनों अपने व्यवसाय को और अधिक विस्तारित करने की योजना बना रहे है।

सीमांत किसानों के लिए लाभकारी बनी सिंहेश्वर जीविका महिला किसान प्रोड्यूसर कंपनी, मधेपुरा

मधेपुरा जिला, कोसी नदी के मैदानी भाग में स्थित है। वर्ष 2008 के कोसी नदी में आयी बाढ़ की विभीषिका से मधेपुरा जिला को काफी नुकसान हुआ था। यह उत्तर में अररिया एवं सुपौल दक्षिण में खगड़िया, भागलपुर पूर्व में पूर्णिया और पश्चिम में सहरसा जिले से घिरा हुआ है। यह बिहार के उन 36 जिलों में से एक है जो वर्तमान में पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि कार्यक्रम के तहत निधि प्राप्त कर रहा है। यहां की प्रमुख फसलों में मक्का, गेंहू, धान, मूंग, एवं पटसन की खेती व्यापक पैमाने पर होती है।

मधेपुरा में मक्का, धान, गेंहू, की उत्पादकता को देखते हुए मधेपुरा जिला के कुमारखंड प्रखंड में सिंहेश्वर जीविका महिला किसान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की स्थापना 9 जुलाई 2021 को क्षेत्र के छोटे एवं सीमांत किसानों के उत्पादों को उचित मूल्य पर बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है। यह कंपनी एक्ट के अन्तर्गत निबंधित संस्था है, जिसके सभी लाभार्थी जीविका स्वयं सहायता समूह की दीदियाँ हैं।

मुख्य उद्देश्य :–

- कंपनी से जुड़ी दीदियों को खेती के लिए खाद–बीज की खरीद, भंडारण, वितरण एवं बिक्री में मदद करना।
- छोटे और सीमांत किसानों को बाजार से जोड़कर उनकी आय को बढ़ाना।
- उत्पादक समूह एवं संकुल स्तरीय संघ जैसे समुदाय आधारित संस्थाओं का क्षमतावर्द्धन करना ।
- बीज का उत्पादन एवं विपणन करना।
- किसान दीदियों के उत्पादों को सही मूल्य प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना।
- व्यापार तकनीक बढ़ाने के लिए विभिन्न तकनीकी अभिकरणों (एजेंसियों) से सामंजस्य स्थापित करना।

इस प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड में कुमारखंड प्रखंड के 1572 शेयर धारक हैं, इस कंपनी की शेयर धारक कुमारखंड प्रखंड की जीविका दीदियाँ है। जिनकी बैठक प्रत्येक महीने होती है एवं समय–समय पर किसान चौपाल के माध्यम से खेती के नये वैज्ञानिक तरीकों से रू–बरू करवाकर उन्हें प्रशिक्षित करवाया जाता है।

कंपनी मक्का का स्पॉट ट्रेडिंग–2023 से कर रही है एवं सदस्यों को बाजार से कम मूल्य पर विभिन्न तरह के गुणवत्तापूर्ण बीजों को उपलब्ध करा रही है। कंपनी निवेश एवं आपूर्ति के लिए अपना खुद का उर्वरक बिक्री एवं क्रय केन्द्र खोलने की योजना पर काम कर रही है। प्रोड्यूसर कंपनी के संचालन से जीविका दीदियों की आय में निरंतर वृद्धि हो रही है।

सिहेंश्वर जीविका महिला किसान प्रोड्यूसर कपंनी लिमिटेड की विशेष पहल :– वित्तीय वर्ष 2024–25 में एक विशेष पहल करते हुए आहार दीदी की रसोई, मधेपुरा सदर एवं जननायक कर्पूरी ठाकुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, मधेपुरा में खाद्य सामीग्रियों की आपूर्ति का कार्य शुरू किया है, जिससे जीविका दीदी की रसोई को उचित दर पर गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध हो रही है, साथ ही साथ प्रोड्यूसर कंपनी भी लाभान्वित हो रही है।

उत्पादों की व्यवसायिक वित्तीय विवरणी वर्ष 2023–2024 :

वित्तीय वर्ष 2023–2024 कुल एग्री इनपुट (लाख रुपये में)	वित्तीय वर्ष 2023–2024 कुल एग्री आउट पुट (लाख रुपये में)	वित्तीय वर्ष 2023–2024 कुल अन्य कोमोडिटी रेवेन्यू (लाख रुपये में)	वित्तीय वर्ष 2023–2024 कुल टर्न ओवर (लाख रुपये में)
13.87	6..29	23.34	43.51

वित्तीय वर्ष के अनुसार व्यवसाय :–

वित्तीय वर्ष 2021–2022 कुल टर्न ओवर (लाख रुपये में)	वित्तीय वर्ष 2022–2023 कुल टर्न ओवर (लाख रुपये में)	वित्तीय वर्ष 2023–2024 कुल टर्न ओवर (लाख रुपये में)	वित्तीय वर्ष 2023–2024 कुल टर्न ओवर (लाख रुपये में)	वित्तीय वर्ष 2024–2025 कुल टर्न ओवर (लाख रुपये में)
6..5	11.37	43.55	43.51	4.25

उत्पादों का खरीद – बिक्री की विवरणी :

उत्पाद	वजन
मक्का	19.8 मीट्रिक टन
गेंहूं	9.9 मीट्रिक टन
धान के बीज का वितरण	1110 किलोग्राम
मक्का की खरीद	114.78 क्विंटल
मक्का का भंडारण	69.57 क्विंटल

जीविका, बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति, विद्युत भवन – 2, बेली रोड, पटना – 800021, वेबसाइट : www.brlps.in

संपादकीय टीम
- श्रीमती महुआ राय चौधरी –कार्यक्रम समन्वयक (जी.के.एम.)
- श्री पवन कुमार प्रियदर्शी – परियोजना प्रबंधक (संचार)

संकलन टीम
- श्री विकास राव – प्रबंधक संचार, भागलपुर
- श्री राजीव रंजन – प्रबंधक संचार, नवादा
- श्री रौशन कुमार – प्रबंधक संचार, लखीसराय
- श्री बिप्लब सरकार – प्रबंधक संचार